# राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद
## हिंदी उत्सव (पखवाड़ा) 2025

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के अनुदेशानुसार, 14 एवं 15 सितंबर, 2025 को गांधीनगर, गुजरात में माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी की अध्यक्षता में आयोजित हिंदी दिवस एवं 5वें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन 2025 में सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से परिषद् की प्रतिभागिता सुनिश्चित करते हुए, तत्कालीन उप सचिव (राजभाषा) एवं परामर्शदाता (राजभाषा) ने भाग लिया। तत्पश्चात, दिनांक 17.09.2025 को माननीया सदस्य सचिव, एनसीटीई की उपस्थिति में **"अनुवादिनी के माध्यम से राजभाषा कार्यान्वयन"** विषय पर आमंत्रित विषय-विशेषज्ञ के व्याख्यान के साथ "हिंदी उत्सव (पखवाड़ा) 2025" का शुभारंभ हुआ। अनुवादिनी और भाषिणी टूल का व्यावहारिक प्रयोग इस कार्यशाला की विशेषता थी। परस्पर संवाद एवं परिचर्चा ने इस कार्यशाला को अत्यंत रोचक बना दिया। प्रश्न सत्र के दौरान विभिन्न शंकाओं का निवारण किया गया।

इस अवसर पर माननीय सदस्य सचिव, एनसीटीई ने राजभाषा हिंदी के महत्त्व और अपने अनुभवों को साझा करते हुए समस्त कार्मिकों से अपना अधिकाधिक सरकारी कार्य हिंदी में करने और हिंदी का प्रचार-प्रसार करने की अपील की। उप सचिव (राजभाषा) ने अपने संबोधन के दौरान परिषद् में राजभाषा कार्यान्वयन, राजभाषा के व्यावहारिक प्रयोग तथा "हिंदी उत्सव (पखवाड़ा) 2025" के दौरान आयोजित की जाने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं का उल्लेख किया और उनमें बढ़-चढ़कर भाग लेने का अनुरोध किया।

उल्लेखनीय है कि सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से हिंदी पखवाड़ा को "हिंदी उत्सव" का नाम दिया गया एवं इसे एक पर्व की तरह ही मनाया गया। 14 सितंबर, 2025 हिंदी दिवस के अवसर पर माननीय गृह मंत्री एवं सहकारिता मंत्री, भारत सरकार तथा माननीय मंत्रिमंडल सचिव, भारत सरकार के संदेश एवं माननीय सचिव, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की अपील को परिपत्र के माध्यम से परिचालित किया गया तथा सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से उपर्युक्त संदेश एवं अपील के अनुसरण में अपना पूरा काम हिंदी में ही करने के प्रयास किए जाने का अनुरोध किया गया।

उल्लेखनीय है कि हिंदी उत्सव (पखवाड़ा) 2025 के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें निर्णायक के रूप में भारत सरकार में कार्यरत/सेवानिवृत्त राजभाषा अधिकारियों और अन्य विद्वानों को आमंत्रित करके प्रतियोगिताओं को रोचक बनाया गया। निम्नलिखित कार्यकलाप/प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया:-

1. हिंदी उत्सव का शुभारंभ व अतिथि वक्ता द्वारा उद्बोधन
2. हिंदी आशुभाषण प्रतियोगिता
3. हिंदी टिप्पण व प्रारूप लेखन प्रतियोगिता
4. हिंदी प्रश्नोत्तरी (क्विज) प्रतियोगिता
5. हिंदी चित्र-अभिव्यक्ति प्रतियोगिता
6. हिंदी श्रुतलेखन प्रतियोगिता (केवल एमटीएस के लिए)

हिंदी उत्सव के दौरान आयोजित की गईं उपर्युक्त प्रतियोगिताओं के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा शिक्षा मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुरूप क्रमशः **प्रथम पुरस्कार के रूप में 5,000/-रुपए., द्वितीय 4,000/- रुपए., तृतीय 3000/- रुपए और 02 सांत्वना पुरस्कार के रूप में अर्थात 2000/- रुपए - 2000/- रुपए की धनराशि, प्रमाण-पत्रों एवं उपहारस्वरूप राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा विशेष रूप से संस्तुति की गई हिंदी पुस्तकों के लिए अनुमोदन प्रदान किया गया।** इस प्रकार हिंदी पखवाड़े के दौरान, कार्यालय में हिंदीमय वातावरण रहा एवं कार्मिकों ने हिंदी में काम करने के प्रति रुचि में वृद्धि हुई। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद, राजभाषा हिंदी के निरंतर प्रचार-प्रसार के लिए प्रतिबद्ध है।

***